अध्याय - चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय चतुर्थ

प्रदत्तो का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.1 भूमिका

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या शोध प्रक्रिया के आगमन तथा निगमन तर्क के प्रयोग को व्यक्त करता है। स्व निर्मित परिकल्पनाओं की स्वीकृति तथा अस्वीकृति हेतु प्रदत्तों का समूह व उपसमूह में विभाजित कर विश्लेषण तथा अंतिम परिणाम ज्ञात किया जाता है। जो नवीन सिद्धांत की खोज अथवा समान्यीकरण रूप में होता है। प्रदत्तों के विश्लेषण के अन्तर्गत उनकी उपलब्धियों की तुलना अनेक परीक्षण द्वारा कर शोध के उद्देश्यों का निर्णय प्राप्त निष्पत्तियों द्वारा किया जाता है।

D - 328

प्रदत्तों के विश्लेषण के माध्यम से पूर्व निर्धारित परिकल्पनाओं को कमशः स्वीकृत अथवा अस्वीकृत किया गया है। सांख्यिकीय विधियाँ, विश्लेषण एवं स्पष्टीकरण के मुख्य उद्देश्यों को पूरा कर सकती है। सांख्यिकी का उपयोग हम प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या कर उनसे परिणाम प्राप्त करने हेतु करते है।

विश्लेषण अभ्यास करके उससे परिणाम प्राप्त कर प्रदत्तों की व्याख्या करना शोध का एक प्रमुख हिस्सा होता है। यह अध्ययन का एक उपयोगी एवं महत्वपुर्ण हिस्सा है क्योंकि इससे प्रदत्तों का सही उपयोग किया जाता है व्याख्या के द्वारा हम एकत्रित प्रदत्तों का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में कर सकते है। सांख्यिकीय तथ्यों की अपने आप में कोई उपयुक्तता नहीं होती है। एकत्रित प्रदत्तों की उपयोगिता उसकी सही व्याख्या पर निर्भर होती है। प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्रदत्तों को एकत्रित कर उनकी व्याख्या की गई है।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

4.2 प्रदत्तो का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रदत्तों का विश्लेषण परिकल्पनाओं के अनुसार है।

अध्ययन हेतु दो जूनियर कॉलेज के 160 विद्यार्थियों का चयन किया गया। उनमें भी 80 स्वावलंबी शिक्षा योजना के विद्यार्थी और 80 अन्य विद्यार्थियों को चयनित किया गया है। उसमें भी स्वावलंबी शिक्षा योजना के 40 बालक और 40 बालिकओं तथा अन्य 40 बालक और 40 बालिकाओं का चयन

किया गया। यह विद्यार्थी कक्षा 11 वी में अध्ययनरत है। इनकी मानसिक योग्यता शाब्दिक बुद्धि परीक्षण द्वारा ज्ञात की गई।

परिकल्पना क्रमांक 1

स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों की मानसिक योग्यता में सार्थक अन्तर नहीं है।

मानसिक योग्यता उपलब्धि का मध्यमान, मानक विचलन एवं टी मान को निम्नांकित तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 4.1

स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों की मानसिक योग्यता की तुलना दर्शाने वाली तालिका

क्र.	विद्यार्थी	विद्यार्थी संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य	सार्थकता का स्तर
1.	स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक	40	36.12	5.79	0.95	सार्थक नहीं है।
2.	अन्य बालक	40	35.08	4.91		

मुक्तांश = 78

P>* 0.01 स्तर पर

(0.01 स्तर पर मान = 2.64

0.05 स्तर पर मान = 1.99)

उपरोक्त तालिका को देखने से स्पष्ट होता है कि चयनित स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालकों की मानसिक योग्यता का मध्यमान 36.12 है तथा प्रमाणिक विचलन 5 .79 है। चयनित अन्य बालकों की मानसिक योग्यता का मध्यमान 35.08 है तथा प्रमाणिक विचलन 4.91 है।

मुक्तांश 78 पर 'टी' का मुल्य 0.95 है जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों की मानसिक योग्यता में सार्थक अंतर नहीं है। अतः परिकल्पना क्रमांक 1 को स्वीकार किया जाता है।

परिकल्पना कमांक - 2

स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकओं एवं अन्य बालिकाओं की मानसिक योग्यता में सार्थक अंतर नहीं है।

मानसिक योग्यता उपलब्धि का मध्यमान, मानक विचलन एवं टी मान को निम्नांकित तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका कमांक 4.2

स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं की मानसिक योग्यता की तुलना दर्शाने वाली तालिका

क्र.	विद्यार्थी	विद्यार्थी संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य	सार्थकता का स्तर
1.	स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिका	40	35.75	6.14	0.87	सार्थक नहीं है।
2.	अन्य बालिका	40	36.00	7.40		

मुक्तांश = 78 $P>^*$ 0.01 स्तर पर

तालिका को देखने से स्पष्ट होता है कि चयनित स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं की मानसिक योग्यता का मध्यमान 35.75 है तथा प्रमाणिक विचलन 6.14 है। चयनित अन्य बालिकाओं की मानसिक योग्यता का मध्यमान 36.00 है तथा प्रमाणिक विचलन 7.40 है।

मुक्तांश 78 पर 'टी' का मुल्य 0.87 है जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक नहीं है। इससे स्पष्ट होता है स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं की मानसिक योग्यता में सार्थक अंतर नहीं है। उपर्युक्त शुन्य परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

व्यावसायिक रूचियों को निम्नांकित दस भागों मे विभाजित किया गया है।

1.	साहित्यिक	2.	वैज्ञानिक
3.	प्रशासनिक	4.	औद्योगिक या व्यावसायिक
5.	रचनात्मक	6.	सौन्दर्यात्मक या कलात्मक
7.	कृषि	8.	अनुनयी (परसुएसिव)
9.	सामाजिक	10.	गृहसम्बन्धी

परिकल्पना क्रमांक –3

स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों की व्यावसायिक रूचि में सार्थक अन्तर नहीं है।

विद्यार्थियों में इन व्यावसायिक कारकों के प्रति सार्थक अन्तर ज्ञात करने के लिए निम्नलिखित उपपरिकल्पनाओं का निर्माण किया गया।

उपपरिकल्पना क्रमांक –1

स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों में साहित्यिक विषयक व्यावसायिक रूचि में सार्थक अन्तर नहीं है।

व्यावसयिक रूचियों में साहित्यिक क्षेत्र एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। प्रयुक्त शोध यंत्र में इसका विधिवत समावेश किया गया है तुलनात्मक दृष्टि से अन्य बालक एवं स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालकों में साहित्यिक विषयक व्यावसायिक रूचि के समंक निकाले गए। जो निम्नलिखित तालिका में दर्शाए गए है।

तालिका क्रमांक 4.3

स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों में साहित्यिक रूचि की तुलना दर्शाने वाली तालिका

क्र.	विद्यार्थी	विद्यार्थी संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य	सार्थकता का स्तर
1.	स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक	40	8.55	3.88	0.17	सार्थक नहीं है।
2.	अन्य बालक	40	7.27	4.67		

मुक्तांश = 78 P>* 0.01 स्तर पर

तालिका से स्पष्ट है कि टी का परिकलित मान 0.17 है जो 0.01 स्तर पर सार्थक नहीं है अर्थात अन्य बालक एवं स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक के साहित्यिक रूचि में सार्थक अन्तर नहीं है। अतः शून्य उपपरिकल्पना क्रमांक 1 को स्वीकार किया जाता है।

संभवतः साहित्यिक रूचि का सीधा सम्बन्ध शैक्षिक गतिविधियों से है। यहाँ दोनों ही विद्यार्थियों का रूझान साहित्यिक गतिविधियों की ओर है। इसी कारण उनकी रूचि में सार्थक अन्तर दिखाई नहीं देता है।

उपपरिकल्पना कमांक –2

स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों में वैज्ञानिक विषयक व्यावसायिक रूचि में सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रस्तुत सारणी में उपपरिकल्पना की जाँच 'टी' परीक्षण द्वारा की गई है जो तालिका में प्रस्तुत है।

तालिका कमांक 4.4

स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों में वैज्ञानिकता रूचि की तुलना दर्शाने वाली तालिका

क्र.	विद्यार्थी	विद्यार्थी संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य	सार्थकता का स्तर
1.	स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक	40	6.02	3.70	16.87	सार्थक है।
2.	अन्य बालक	40	13.07	4.82		

मुक्तांश = 78 $P<^*.01$ स्तर पर

उपरोक्त तालिका को देखने से स्पष्ट होता है कि चयनित स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों की 'वैज्ञानिकता' विषयक व्यावसायिक रूचि का मध्यमान कमशः 6.02 व 13.07 तथा प्रामाणिक विचलन कमशः 3.07 व 4.82 है।

मुक्तांश 78 पर 'टी' का मुल्य 16.87 है जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक अंतर है। इससे स्पष्ट होता है कि स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों की वैज्ञानिकता विषयक व्यावसायिक रूचि में सार्थक अन्तर है अतः शून्य उपपरिकल्पना कमांक 2 को अस्वीकार किया जाता है।

वैज्ञानिक व्यावसायिक रूचि का सबंध शिक्षण संस्थाओं, पाठ्यक्रम तथा परिवारिक वातावरण से है। हमारे देश में समान पाठ्यक्रम की व्यवस्था की गई है। जिन बच्चों की बुद्धि लब्धी उच्च हो वह बच्चे वैज्ञानिक क्षेत्र में ज्यादा रूचि लेते है उन्हें इंजिनियर या मेडिकल में ज्यादा रूझान होता है मगर सामान्य बृद्धि लब्धि के बच्चे वैज्ञानिकता में ज्यदा रूचि नहीं लेते है। इसलिए स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों की वैज्ञानिक व्यावसायिक रूचि के प्रति सार्थक अन्तर होता है।

उपपरिकल्पना क्रमांक –3

स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों में प्रशासनिक विषयक व्यावसायिक रूचि मे सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रस्तुत सारणी में उपपरिकल्पना की जाँच 'टी' परीक्षण द्वारा की गई है जो तालिका में प्रस्तुत है।

तालिका क्रमांक 4.5

स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों में प्रशासनिक रूचि की तुलना दर्शाने वाली तालिका

क्र.	विद्यार्थी	विद्यार्थी संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य	सार्थकता का स्तर
1.	स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक	40	11.75	4.05	6.10	सार्थक है।
2.	अन्य बालक	40	6.95	4.72		

मुक्तांश = 78 P<* 0.01 स्तर पर

उपरोक्त तालिका को देखने से स्पष्ट होता है कि चयनित स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों की 'प्रशासन' विषयक व्यावसायिक रूचि का मध्यमान 11.75 है। तथा प्रामाणिक विचलन 4.05 है। चयनित अन्य बालकों में प्रशासन विषयक व्यावसायिक रूचि का मध्यमान 6.95 है तथा प्रमाणिक विचलन 6.95 है।

मुक्तांश 78 पर टी का मूल्य 6.10 है जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक है। इससे स्पष्ट होता है कि स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों की प्रशासन विषयक व्यावसायिक रूचि में सार्थक अन्तर है अतः शून्य उपपरिकल्पना क्रमांक 3 को अस्वीकार किया जाता है।

उपपरिकल्पना क्रमांक -4

स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों में औद्योगिक विषयक व्यावसायिक रूचि में सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रस्तुत सारणी में उपपरिकल्पना की जाँच 'टी' परीक्षण द्वारा की गई है जो तालिका में प्रस्तुत है।

तालिका क्रमांक 4.6

स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों में औद्योगिक विषयक व्यावसायिक रूचि की तुलना दर्शाने वाली तालिका

क्र.	विद्यार्थी	विद्यार्थी संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य	सार्थकता का स्तर
1.	स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक	40	6.72	3.13	0.10	सार्थक नहीं है।
2.	अन्य बालक	40	4.72	3.61		

मुक्तांश =78 P>*0.01 स्तर पर

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि चयनित स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों का मध्यमान क्रमशः 6.72 व 4.72 है। तथा प्रमाणिक विचलन 3.13 व 3.61 है।

मुक्तांश 78 पर 'टी' का मान 0.10 है जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः शून्य उपपरिकल्पना क्रमांक 4 को स्वीकार किया जाता है।

इससे स्पष्ट होता है कि जिस प्रकार अन्य बालक औद्योगिक विषयक व्यवसाय में रूचि रखते है ठीक उसी प्रकार स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालकों में भी औद्योगिकता विषयक व्यावसायिक रूचि में लगाव दिखाई देता है जो सामान्य बालकों की उपेक्षा उच्च प्रकार की होती है।

उपपरिकल्पना क्रमांक –5

स्ववलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों की रचनात्मक व्यावसायिक रूचि मे सार्थक अन्तर नहीं है।

· प्रस्तुत सारणी में उपपरिकल्पना की जाँच 'टी' परीक्षण द्वारा की गई है जो तालिका में प्रस्तुत है।

तालिका क्रमांक 4.7

स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों में रचनात्मक रूचि की तुलना दर्शाने वाली तालिका

क्र.	विद्यार्थी	विद्यार्थी संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य	सार्थकता का स्तर
1.	स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक	40	15.35	2.92	5.78	सार्थक है।
2.	अन्य बालक	40	9.17	4.46		

मुक्तांश = 78 P>*0.01 स्तर पर

तालिका से स्पष्ट होता है कि टी का परिकलित मान 5.78 है जो 0.01 विश्वास स्तर पर सार्थक है अर्थात स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक और अन्य बालकों में रचनात्मक विषयक व्यावसायिक रूचि में सार्थक अन्तर है। अतः उपपरिकल्पना क्रमांक 5 को अस्वीकार किया जाता है।

श्रम कर अध्ययन करने वाले छात्रों में रचनात्मकता ज्यादा होती है वो कठिन काम को भी सरल करते हैं। उन्हें अन्य बालकों की अपेक्षा कम कठिनाई आती है। अन्य बालकों में यह गुण कम दिखाई देता है।

उपपरिकल्पना क्रमांक –6

स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों की कलात्मक विषयक व्यावसायिक रूचि मे सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रस्तुत सारणी में उपपरिकल्पना की जाँच 'टी' परीक्षण द्वारा की गई है जो सारणी में प्रस्तुत है।

तालिका क्रमांक 4.8

स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों में कलात्मक रूचि की तुलना दर्शाने वाली तालिका

क्र.	विद्यार्थी	विद्यार्थी संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य	सार्थकता का स्तर
1.	स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक	40	8.95	4.27	0.30	सार्थक नहीं है।
2.	अन्य बालक	40	6.55	5.27		

मुक्तांश =78 P>*0.01 स्तर पर

तालिका को देखने से स्पष्ट होता है कि स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालकों की सौन्दर्यात्मक या कलात्मक व्यावसायिक रूचि का मध्यमान 8.95 है तथा प्रमाणिक विचलन 4.27 है अन्य बालकों मे सौन्दर्यात्मक या कलात्मक व्यावसायिक रूचि का मध्यमान 6.55 है और प्रमणिक विचलन 5.27 है। मुक्तांश 78 पर टी का मूल्य 0.30 है जो 0.01 स्तर पर सार्थक नहीं है।

इससे स्पष्ट होता है कि स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों की सौन्दर्यात्मक या कलात्मक व्यावसायिक रूचि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है यहाँ उपपरिकल्पना क्रमांक 6 को स्वीकार किया जाता है।

सभी बच्चों मे कलात्मक विकास होता है बच्चे उसे अपने आप ही आत्मसात करते है इसीलिए अधिकांश बच्चों मे कलात्मक रूचि दिखाई देती है।

उपपरिकल्पना क्रमांक –7

स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों की कृषि विषयक व्यावसायिक रूचि मे सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रस्तुत सारणी में उपपरिकल्पना की जाँच 'टी' परीक्षण द्वारा की गई है जो तालिका में प्रस्तुत है।

तालिका क्रमांक 4.9

स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों में कृषि विषयक व्यावसायिक रूचि की तुलना दर्शाने वाली तालिका

क्र.	विद्यार्थी	विद्यार्थी संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य	सार्थकता का स्तर
1.	स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक	40	10.35	3.83	6.97	सार्थक है।
2.	अन्य बालक	40	8.37	4.11		

मुक्तांश = 78 P>*0.01 स्तर पर

उपरोक्त तालिका को देखने से स्पष्ट होता है कि स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालकों की कृषि विषयक व्यावसायिक रूचि का मध्यमान 10.35 है तथा प्रमाणिक विचलन 3.83 है। चयनित अन्य बालकों का मध्यमान 8. 37 है तथा प्रमाणिक विचलन 4.11 है। मुक्तांश 78 पर 'टी' का मूल्य 5. 97 है जो 0.01 स्तर पर सार्थक है।

इससे स्पष्ट है कि स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों की कृषि विषयक व्यावसायिक रूचि में सार्थक अन्तर है। अतः उपपरिकल्पना क्रमांक 7 को अस्वीकार किया जाता है।

स्वावलंबी शिक्षा योजना के अधिकांश बालक खेती के कामों से जुड़े रहते है। अधिकतम का परिवारिक व्यवसाय भी खेतीबारी है। इसी कारणवश इन बच्चों में कृषि विषयक व्यवसाय में रूचि ज्यादा दिखाई देती है।

उपपरिकल्पना क्रमांक –8

स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों की अनुनयात्मक व्यावसायिक रूचि में सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रस्तुत सारणी में उपपरिकल्पना की जाँच 'टी' परीक्षण द्वारा की गई है जो तालिका में प्रस्तुत है।

तालिका क्रमांक 4.10

स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों में अनुनयात्मक व्यावसायिक रूचि की तुलना दर्शाने वाली तालिका

क्र.	विद्यार्थी	विद्यार्थी संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य	सार्थकता का स्तर
1.	स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक	40	8.42	3.54	0.66	सार्थक नहीं है।
2.	अन्य बालक	40	6.77	4.26		

मुक्तांश = 78 P>*0.01 स्तर पर

उपरोक्त तालिका को देखने से स्पष्ट होता है कि 'टी' का परिकलित मान 0.66 है जो 0.01 स्तर पर सार्थक नही है। अर्थात स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों में अनुनयात्मक व्यवसायिक रूचि में कोई सार्थक अंतर नहीं है। अतः उपरपकिल्पना क्रमांक 8 को स्वीकार किया जाता है।

उपपरिकल्पना क्रमांक –9

स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों की समाज विषयक व्यावसायिक रूचि में सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रस्तुत सारणी में उपपरिकल्पना की जाँच 'टी' परीक्षण द्वारा की गई है जो निम्नलिखित तालिका में प्रस्तुत है।

तालिका क्रमांक 4.11

स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों में सामाजिक रूचि की तुलना दर्शाने वाली तालिका

क्र.	विद्यार्थी	विद्यार्थी संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य	सार्थकता का स्तर
1.	स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक	40	8.55	3.19	0.78	सार्थक नहीं है।
2.	अन्य बालक	40	7.37	4.75		

मुक्तांश =78 P>*0.01 स्तर पर

उपरोक्त तालिका को देखने से स्पष्ट होता है कि 'टी' का परिकलित मान 0.78 है जो 0.01 स्तर पर सार्थक नहीं है। इससे स्पष्ट है कि स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों में सामाज विषयक व्यावसायिक रूचि में कोई सार्थक अंतर नहीं है। अतः उपरपकिल्पना क्रमांक 9 को स्वीकार किया जाता है।

सामाजिकता सभी में होती है समाज में रहने के कारण बचपन से ही सामाजिकता निर्माण होती है। माता–पिता, स्कूल और समाज में रहकर ही सामाजिकता की रूचि निर्माण होती है और वह सभी में दिखाई देती है।

उपपरिकल्पना क्रमांक -10

स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों की गृहविज्ञान संबधी व्यावसायिक रूचि में सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रस्तुत सारणी में उपपरिकल्पना की जाँच 'टी' परीक्षण द्वारा की गई है जो निम्नलिखित तालिका में प्रस्तुत है।

तालिका क्रमांक 4.12

स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों में गृहविज्ञान संबधी व्यावसायिक रूचि की तुलना दर्शाने वाली तालिका

क्र.	विद्यार्थी	विद्यार्थी संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य	सार्थकता का स्तर
1.	स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक	40	7.35	3.75	0.32	सार्थक नहीं है।
2.	अन्य बालक	40	5.30	4.51		

मुक्तांश = 78 $P>^{*}0.01$ स्तर पर

उपरोक्त तालिका को देखने से स्पष्ट होता है कि चयनित स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालकों की गृहविज्ञान संबंधी व्यावसायिक रूचि का मध्यमान 7.35 है तथा प्रमाणिक विचलन 3.75 है। चयनित अन्य बालकों में गृहविज्ञान संबधी व्यवसायिक रूचि का मध्यमान 5.30 तथा प्रमाणिक विचलन 4.51 है। मुक्तांश 78 पर टी का मूल्य 0.32 है जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक नहीं है।

इससे स्पष्ट होता है कि स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालक एवं अन्य बालकों में गृहविज्ञान संबधी व्यावसायिक रूचि में सार्थक अन्तर नहीं है। अतः उपपरिकल्पना क्रमांक 10 को स्वीकार किया जाता है।

परिकल्पना क्रमांक -4

स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं की व्यावसायिक रूचि में सार्थक अन्तर नहीं है।

बालिकाओं में व्यावसायिक रूचियों के प्रति सार्थक अन्तर ज्ञात करने के लिए निम्नलिखित उपपरिकल्पनाओं का निर्माण किया गया है।

उपपरिकल्पना क्रमांक 1

स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकओं एवं अन्य बालिकाओं में साहित्यिक विषयक व्यावसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है।

प्रस्तुत सारणी में उपपरिकल्पना की जॉंच टी परिक्षण द्वारा की गई है। जो तालिका में प्रस्तुत है।

तालिका क्रमांक 4.13

स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं में साहित्यिक रूचि की तुलना दर्शाने वाली तालिका

क्र.	विद्यार्थी	विद्यार्थी संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य	सार्थकता का स्तर
1.	स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकायें	40	7.75	4.44	0.150	सार्थक नहीं है।
2.	अन्य बालिकाये	40	6.37	3.90		

मुक्तांश = 78 $P>^{*}0.01$ स्तर पर

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं का मध्यमान 7.75 है तथा प्रमाणिक विचलन 4.44 है। अन्य बालिकाओं का मध्यमान 6.37 तथा प्रमाणिक विचलन 3.90 है। मुक्तांश 78 पर टी का मूल्य 0.150 है जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं सामान्य बालिकाओं मे साहित्यिक व्यावसायिक रूचि में सार्थक अन्तर नही है। यहाँ उपपरिकल्पना क्रमांक 1 को स्वीकार किया जाता है।

संभवतः साहित्यिक रूचि सभी बालिकाओं में समान रूप से दिखाई देती है इसी कारण इनमें अंतर नहीं पाया जाता है।

उपपरिकल्पना क्रमांक -2

स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं की विज्ञान विषयक व्यावसायिक रूचि में सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रस्तुत सारणी में उपपरिकल्पनाओं की जाँच टी परीक्षण द्वारा की गई है जो तालिका में प्रस्तुत है।

तालिका क्रमांक 4.14

स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं की एवं अन्य बालिकाओं में विज्ञान विषयक व्यावसायिक रूचि की तुलना दर्शाने वाली तालिका

क्र.	विद्यार्थी	विद्यार्थी संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य	सार्थकता का स्तर
1.	स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकायें	40	8.1	4.55	0.0031	सार्थक नहीं है।
2.	अन्य बालिकाये	40	5.1	4.13		

मुक्तांश = 78 $P>*$0.01 स्तर पर

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि टी का परिकल्पित मान 0. 0031 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं हैं। अर्थात स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं में विज्ञान विषयक व्यावसायिक रूचि में सार्थक अन्तर नहीं है।

अतः शून्य उप परिकल्पना को स्वीकार किया जाता हे इससे यह स्पष्ट होता है कि स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं की वैज्ञानिकता में रूचि दिखाई देती है। बहुत सी लड़कियाँ मेडिकल, इंजीनियर जैसे क्षेत्रों में शिक्षा लेनें रूचि रखती है।

उपपरिकल्पना क्रमांक –3

स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं की प्रशासनिक विषयक व्यावसायिक रूचि मे सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रस्तुत सारणी में उपपरिकल्पना की जाँच टी परीक्षण द्वारा की गई है जो तालिका में प्रस्तुत है।

तालिका क्रमांक 4.15

स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं में प्रशासनिक रूचि की तुलना दर्शाने वाली तालिका

क्र.	विद्यार्थी	विद्यार्थी संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य	सार्थकता का स्तर
1.	स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकायें	40	10.67	4.94	0.0067	सार्थक नहीं है।
2.	अन्य बालिकाये	40	7.45	5.28		

मुक्तांश = 78 P>*0.01 स्तर पर

उपरोक्त तलिका क्रमांक 4.15 को देखने से स्पष्ट होता है कि चयनित स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं का मध्यमान 10.67 है तथा प्रमाणिक विचलन 4.94 है।

चयनित अन्य बालिकाओं में प्रशासनिक विषयक व्यावसायिक रूचि का मध्यमान 7.45 है तथा प्रमाणिक विचलन 5.28 है। मुक्तांश 78 पर टी का मूल्य 0.0067 है जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक नहीं है।

इससे स्पष्ट होता है कि स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं में 'प्रशासनिक' विषयक व्यावसायिक रूचि में सार्थक अन्तर नही है। अतः उपपरिकल्पना क्रमांक 3 को स्वीकार किया जाता है।

उपपरिकल्पना क्रमांक – 4

स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं की औद्योगिक विषयक व्यावसयिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है

प्रस्तुत सारणी में उप परिकल्पना को जाँच 'टी' परीक्षण द्वारा की गई है जो तालिका में प्रस्तुत है।

तालिका क्रमांक 4.16

स्वावलंबी शिक्षा योजना के बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं में औद्यागिक रूचि की तुलना दर्शाने वाली तालिका

क्र.	विद्यार्थी	विद्यार्थी संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य	सार्थकता का स्तर
1.	स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकायें	40	6.12	3.57	0.0027	सार्थक नहीं है।
2.	अन्य बालिकाये	40	3.62	3.56		

मुक्तांश = 78 P>*0.01 स्तर पर

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि चयनित स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं का मध्यमान 6.12 एवं 3.62 है तथा प्रमाणिक विचलन 3.57 और 3.56 है। मुक्तांश 78 पर टी का मूल्य 0.0027 है जो 0.01 स्तरपर सार्थक नहीं है। अतः उपपरिकल्पना क्रमांक 4 को स्वीकार किया जाता है।

उपपरिकल्पना कमांक –5

स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं की रचनात्मक विषयक व्यावसायिक रूचि में सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रस्तुत सारणी में उपपरिकल्पनाओं की जाँच टी परीक्षण द्वारा की गई है जो तालिका में प्रस्तुत है।

तालिका 4.17

स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिका तथा अन्य बालिकाओं में रचनात्मक रूचि की तुलना दर्शाने वाली तालिका

क्र.	विद्यार्थी	विद्यार्थी संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य	सार्थकता का स्तर
1.	स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकायें	40	5.07	2.59	0.388	सार्थक नहीं है।
2.	अन्य बालिकाये	40	3.5	3.23		

मुक्तांश = 78 $P>^*0.01$ स्तर पर

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि 'टी' मान 0.38 है जो 0.01 स्तर पर सार्थक नहीं है। इससे तात्पर्य है कि स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं की रचनात्मक व्यावसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है। अतः उपपरिकल्पना कमांक – 5 को स्वीकार किया जाता है।

सामान्यतः लड़कियों मे रचनात्मकता ज्यादा पाई जाती है। लड़कियाँ विचार पूर्वक रचनात्मक ढंग से अपना कार्य पूरा करती है। सिलाई, बुनाई, रंगोली, पेंटिंग आदि रचनात्मक कार्य वह अच्छी तरह कर लेती है।

उपपरिकल्पना कमांक –6

स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं में "सौन्दर्यात्मक या कलात्मक व्यावसायिक रूचि में सार्थक अन्तर नहीं है।"

प्रस्तुत सारणी में उपपरिकल्पनाओं की जाँच टी परीक्षण द्वारा की गई है जो तालिका में प्रस्तुत है।

तालिका 4.18

स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिका एवं अन्य बालिकाओं में "सौन्दर्यात्मक या कलात्मक" रूचि की तुलना दर्शाने वाली तालिका

क्र.	विद्यार्थी	विद्यार्थी संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य	सार्थकता का स्तर
1.	स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकायें	40	9.45	5.12	0.177	सार्थक नहीं है।
2.	अन्य बालिकाये	40	7.90	4.93		

मुक्तांश =78 P>*0.01 स्तर पर

तालिका से स्पष्ट है कि स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं की कलात्मक विषयक व्यावसायिक रूचि का मध्यमान 9.45 है तथा प्रमाणिक विचलन 5.12 है अन्य बालिकाओं का मध्यमान 7.90 है तथा प्रमाणिक विचलन 4.93 है मुक्तांश 78 पर टी का परिकलित मान 0.177 है जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक नहीं है।

इससे स्पष्ट होता है कि स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकओं एवं अन्य बालिकाओं की कलात्मक विषयक व्यावसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है। अतः शून्य उपपरिकल्पना कमांक 6 को स्वीकार किया जाता है।

उपपरिकल्पना क्रमांक -7

स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं की कृषि विषयक व्यावसायिक रूचि में सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रस्तुत सारणी में उपपरिकल्पनाओं की जाँच टी परीक्षण द्वारा की गई है जो तालिका में प्रस्तुत है।

तालिका क्रमांक 4.19

स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओ एवं अन्य बालिकाओं की कृषि विषयक व्यावसायिक रूचि में तुलना दर्शाने वाली तलिका

क्र.	विद्यार्थी	विद्यार्थी संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य	सार्थकता का स्तर
1.	स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिका	40	9.85	4.13	3.18	सार्थक है।
2.	अन्य बालिका	40	7.13	5.9		

मुक्तांश = 78 P<*0.01 स्तर पर

उपरोक्त तालिका को देखने से पता चलता है कि स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं की कृषि विषयक व्यावसायिक रूचि का मध्यमान 9.85 है और प्रमाणिक विचलन 4.13 है।

चयनित अन्य बालिकाओं का मध्यमान 7.13 प्रमाणिक विचलन 5.9 है। मुक्तांश 78 पर 'टी' का मूल्य 3.18 है जो 0.01 स्तर पर सार्थक है। इससे स्पष्ट होता है कि स्वावलंबी शिक्षा योजना एवं अन्य बालिकाओं की कृषि विषयक व्यावसायिक रूचि में सार्थक अंतर है। अतः उपपरिकल्पना क्रमांक 7 को अस्वीकार किया जाता है।

अधिकतम स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं का पारंपरिक व्यवसाय खेती है यह बालिकाएँ पढ़ाई के साथ-साथ अपने माता पिता के साथ खेतीबाड़ी के काम में हाथ बटाती है जिससे उनके ज्ञान में भी वृद्धि होती है इसी कारण वश स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं में कृषि विषयक व्यवसाय में रूचि दिखाई देती है मात्र अन्य बालिकाओं में रूचि नही दिखाई देती है।

उपपरिकल्पना क्रमांक –8

स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं में अनुनयात्मक (परसुएसिव) व्यावसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं हैं।

उपपरिकल्पना की जाँच 'टी' परीक्षण द्वारा की गई है जो तालिका में प्रस्तुत है।

तालिका क्रमांक 4.20

स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं में अनुनयात्मक व्यावसायिक रूचि दर्शाने वाली तालिका

क्र.	विद्यार्थी	विद्यार्थी संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य	सार्थकता का स्तर
1.	स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिका	40	6.72	3.86	0.3094	सार्थक नहीं है।
2.	अन्य बालिका	40	5.85	3.68		

मुक्तांश = 78 P>*0.01 स्तर पर

उपरोक्त तालिका को देखने से स्पष्ट होता है कि 'टी' का परिकल्पित मान 0.3094 है जो 0.01 स्तर पर सार्थक नहीं है। अर्थात् स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं में अनुनयात्मक व्यावसायिक रूचि में कोई सार्थक अंतर नहीं है। अतः शून्य उपपरिकल्पना क्रमांक–8 को स्वीकार किया जाता है।

उपपरिकल्पना क्रमांक –9

स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं की समाज विषयक व्यावसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है।

उपपरिकल्पना की जाँच 'टी' परीक्षण द्वारा की गई हैं जो निम्नलिखित तालिका में प्रस्तुत है

तालिका क्रमांक 4.21

स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं में सामाजिक व्यावसायिक रूचि की तुलना दर्शाने वाली तालिका

क्र.	विद्यार्थी	विद्यार्थी संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य	सार्थकता का स्तर
1.	स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिका	40	9.22	4.56	0.0098	सार्थक नहीं है।
2.	अन्य बालिका	40	6.57	4.27		

मुक्तांश = 78   P>*0.01 स्तर पर

प्रस्तुत सारणी में 'टी' का परिकलित मान 0.0098 है जो 0.01 स्तर पर सार्थक नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं में समाज विषयक व्यावसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है। अतः उपपरिकल्पना क्रमांक 9 को स्वीकार किया जाता है।

एक सामजशील घटक होने के कारण बालिकाओं मे भी समाज विषयक जागरूकता, आस्था दिखाई देती है। इसलिए समाज वषियक व्यवसायों में भी बालिका समान रूप से रूचि रखती है।

उपपरिकल्पना क्रमांक –10

स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं की गृह विज्ञान विषयक व्यावसायिक रूचि में सार्थक अन्तर नहीं है।''

प्रस्तुत सारणी में उपपरिकल्पनाओं की जाँच टी परीक्षण द्वारा की गई है जो तालिका में प्रस्तुत है।

तालिका क्रमांक 4.22

स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं में गृह विज्ञान विषयक व्यावसायिक रूचि की तुलना दर्शाने वाली तालिका

क्र.	विद्यार्थी	विद्यार्थी संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य	सार्थकता का स्तर
1.	स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिका	40	8.1	4.18	0.1028	सार्थक नहीं है।
2.	अन्य बालिकाये	40	6.45	4.62		

मुक्तांश = 78 P>*0.01 स्तर पर

उपरोक्त तालिका को देखने से स्पष्ट होता है कि चयनित स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं का मध्यमान 8.1 है तथा प्रमाणिक विचलन 4.18 है।

चयनित अन्य बालिकाओं में गृह विज्ञान संबंधी व्यावसायिक रूचि का मध्यमान 6.45 है तथा प्रमाणिक विचलन 4.62 है।

मुक्तांश 78 पर 'टी' का मूल्य 0.1028 है जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि स्वावलंबी शिक्षा योजना की बालिकाओं एवं अन्य बालिकाओं में गृहविज्ञान विषयक व्सावसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है। अतः उपपरिकल्पना क्रमांक 10 को स्वीकार किया जाता है।

सामान्यतः सभी बालिकाओं में गृह संबंधी कामकाजों में कम–अधिक मात्रा में रूचि दिखाई देती है। बचपन से ही बालिकाएँ घर के छोटे काम रूचि से करती है तथा बड़ों के कामों में हाथ बँटाती है।